

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

महाराष्ट्र IAS कीर्ति किरण पुजार विवाद : बाढ़ के बीच डांस करने से मचा हड़कंप

Publisher

Published on 27 Sep 2025



महाराष्ट्र के मराठवाड़ा क्षेत्र में हाल ही में हुई भारी बारिश और बाढ़ ने किसानों और ग्रामीण जनता की स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। फसलों को भारी नुकसान हुआ है, घरों में पानी भर गया है और प्रशासन को राहत कार्यों में जुटना पड़ा है। इस बीच धाराशिव जिले की कलेक्टर कीर्ति किरण पुजार को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है।

कौन है कीर्ति किरण पुजार ?

कीर्ति किरण पुजार महाराष्ट्र कैडर की एक प्रतिष्ठित IAS अधिकारी हैं। उन्होंने प्रशासनिक सेवाओं में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है और अपने नवाचार और सक्रियता के लिए जाने जाते हैं। अक्सर आपात परिस्थितियों में राहत और प्रशासनिक कार्यों का नेतृत्व करने के लिए उन्हें सराहा जाता है।

हालांकि, हाल ही में हुई घटना ने उनके करियर को नया विवादात्मक मोड़ दे दिया।

बाढ़ के बीच डांस का वीडियो और विवाद

धाराशिव जिले में बाढ़ के बीच कीर्ति किरण पुजार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें वे डांस करते हुई दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में उन्होंने राहत कार्यों के बीच ही डांस करते हुए अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ कुछ पल बिताए।

इस वीडियो ने तत्काल सोशल मीडिया पर तूफान मचा दिया। कुछ लोग इसे अत्यंत अनुचित और संवेदनहीन मान रहे हैं, क्योंकि इसी समय किसानों और ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। वहीं कुछ लोग इसे तनाव और दबाव के बीच अधिकारी का ह्यूमर और मानसिक राहत पाने का तरीका भी मान रहे हैं।

सामाजिक और राजनीतिक प्रतिक्रिया

वीडियो वायरल होने के तुरंत बाद, स्थानीय जनता और सोशल मीडिया यूजर्स ने कलेक्टर की आलोचना की। कई लोगों ने सवाल

उठाया कि ऐसे समय में प्रशासनिक अधिकारी को **संवेदनशील और गंभीर बने रहना चाहिए**।

राजनीतिक गलियारे में भी यह मुद्दा उठ गया। विपक्षी दलों ने कहा कि यह घटना सरकार और प्रशासन के प्रति जनता का भरोसा कम कर सकती है। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि **जनता की समस्याओं और किसानों के नुकसान के समय यह व्यवहार अनुचित है**।

इसके विपरीत, कुछ समर्थक और प्रशासनिक विशेषज्ञ कह रहे हैं कि अधिकारी भी मानव हैं और उन्हें **तनावपूर्ण परिस्थितियों में मानसिक राहत और टीम को उत्साहित करने के लिए ऐसे क्षण चाहिए**। उनका कहना है कि वीडियो केवल एक पल का दृश्य है और प्रशासन के कामकाज पर इसका असर नहीं पड़ता।

कलेक्टर का बयान और सफाई

घटना के बाद कीर्ति किरण पुजार ने मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी सफाई दी। उन्होंने कहा कि डांस केवल एक **संक्षिप्त और हल्का-फुल्का क्षण** था, ताकि टीम का मनोबल बढ़े और राहत कार्यों में कार्यकर्ता और अधिकारी उत्साहित रहें।

उन्होंने स्पष्ट किया कि **सभी प्रशासनिक कार्य और राहत कार्य पूरी गंभीरता और तत्परता के साथ जारी है**। उन्होंने किसानों, ग्रामीणों और जनता से आग्रह किया कि प्रशासन उनके साथ खड़ा है और नुकसान की भरपाई और राहत कार्यों में कोई कमी नहीं रहेगी।

मराठवाड़ा में बारिश और प्रशासनिक चुनौतियाँ

मराठवाड़ा में भारी बारिश के कारण कई जिलों में फसलों का नुकसान हुआ है। किसानों की आर्थिक स्थिति पर इसका सीधा असर पड़ा है। प्रशासन ने तुरंत राहत शिविर स्थापित किए और प्रभावित लोगों को **भोजन, पानी और अस्थायी आश्रय** मुहैया कराया।

कलेक्टर कीर्ति किरण पुजार का कार्यक्षेत्र भी इसी श्रेणी में आता है। उन्होंने अधिकारियों के साथ मिलकर राहत कार्यों का निरीक्षण किया, प्रभावित इलाकों का दौरा किया और स्थानीय प्रशासनिक मशीनरी को सक्रिय रखा।

विशेषज्ञों की राय

राजनीतिक और प्रशासनिक विशेषज्ञ मानते हैं कि वीडियो में दिखाया गया डांस **व्यक्तिगत तनाव प्रबंधन का तरीका** हो सकता है। हालांकि, सार्वजनिक दृष्टि से इसे **अनुचित और संवेदनशीलता की कमी** के रूप में भी देखा जा सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि अधिकारियों को अपने **जनता और संवेदनशील स्थिति** के प्रति जागरूक रहना चाहिए। लेकिन छोटे और संक्षिप्त पल की व्यक्तिगत गतिविधि को **पूरा प्रशासनिक मूल्यांकन** न कहकर केवल एक वीडियो पर प्रतिक्रिया देना भी उचित नहीं है।

कीर्ति किरण पुजार का विवाद इस बात को उजागर करता है कि प्रशासनिक अधिकारियों की **व्यक्तिगत गतिविधियाँ और सार्वजनिक धारणा** किस तरह से आपस में टकरा सकती हैं।

भले ही उनका उद्देश्य टीम का मनोबल बढ़ाना और तनाव कम करना था, वीडियो के वायरल होने से **जनता और राजनीतिक प्रतिक्रिया** तेज़ हुई। यह घटना प्रशासनिक पेशे की संवेदनशीलता और सार्वजनिक दृष्टिकोण के बीच **संतुलन बनाए रखने** की आवश्यकता को भी दर्शाती है।